लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *408

22 दिसम्बर, 2014 को उत्तर के लिए

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड की विस्तार योजना

***408. श्री राम टहल चौधरी:**

श्री लक्ष्मण गिलुवा:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार उसके प्रारूप दस्तावेज-दृष्टिकोण-2025 के अनुसार भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड के संयंत्रों का विस्तार और आधुनिकीकरण करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस प्रयोजन के लिए संयंत्र-वार किन-किन स्रोतों से कितनी धनराशि जुटाए जाने का अनुमान है;

(ग) क्या भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड अपने संयंत्रों के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए बाजार से धनराशि उधार ले रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा वर्तमान में भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड पर कुल कितना ऋण बकाया है; और

(घ) बाजार ऋण कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गये हो तथा इसे कब तक चुका दिए जाने की संभावना है?

उत्तर

इस्पात और खान मंत्री **श्री नरेन्द्र सिंह तोमर**

(क) से (घ): एक विवरण लोक सभा के पटल पर रख दिया गया है।

*****

"भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड की विस्तार योजना" के बारे में श्री राम टहल चौधरी और श्री लक्ष्मण गिलुवा, संसद सदस्यों द्वारा लोक सभा में दिनांक 22 दिसम्बर, 2014 के लिए पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या *408 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख) : सेल ने हॉट मेटल उत्पादन की 50 मिलियन टन ब्राउन फील्ड क्षमता चरणबद्ध तरीके में प्राप्त करने के लिए एक प्रारूप योजना "विजन 2025" तैयार की है।

प्रारूप योजना के अनुसार संयंत्रवार क्षमता निम्नवत है :

(इकाई:एमटीपीए)

संयंत्र	चल रहे आधुनिकीकरण के पश्चात हॉट मेटल क्षमता	विजन 2025 के अनुसार हॉट मेटल क्षमता
भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी)	7.5	10.5
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डीएसपी)	2.4	9.3
राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी)	4.5	10.8
बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल)	5.8	14.1
इस्को इस्पात संयंत्र (आईएसपी)	2.9	5.7
सेल (5 एकीकृत इस्पात संयंत्र)	**23.1**	**50.4**

सेल की हॉट मेटल उत्पादन की क्षमता को लगभग 23 मिलियन टन (चल रहे आधुनिकीकरण एवं विस्तार कार्यों के तहत नियोजित) के स्तर से बढ़ाकर 50 मिलियन टन करने के लिए अनुमानित निवेश अनंतिम रूप से लगभग 1,50,000 करोड़ रुपए होगा। तथापि, निवेश प्रस्ताव अभी सुनिश्चित किए जाने हैं। सेल के पूंजीगत खर्चों के निधियन के स्रोत 1:1 के अनुपात में ऋण और इक्विटी (आंतरिक स्रोतों समेत) के संयोजन में होगें।

(ग): सेल अपनी कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने और अपने संयंत्रों के विस्तार एवं आधुनिकीकरण के लिए बाजार से ऋण प्राप्त करता रहा है। गत तीन वित्तीय वर्षों और वर्तमान वित्तीय वर्ष (अप्रैल-सितम्बर, 14) के दौरान बकाया ऋणों का ब्यौरा निम्नवत है।

करोड़ रुपए में

तिथि के अनुसार	31.03.2012	31.03.2013	31.03.2014	30.09.2014
बकाया ऋण	16320	21597	25281	25400

(घ): सेल के संयंत्रों के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए वर्ष 2025 तक निधियों की आवश्यकता का वित्त पोषण आंतरिक संसाधनों और ऋण के एक संयोजन के जरिए किया जाएगा। ऋणों की अदायगी ऋण करार में निर्धारित अदायगी कार्यक्रम के अनुसार की जाती है।

*****